जबलपुर | रविवार | 13 सितंबर 2026 |

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

अवैध शराब से उड़ रहा चंबल

लिकर माफिया की भेंट चढ़ रहे बीहड़ के गांव, ग्रामीणों में फैल रहा आक्रोश

नवभारत टीम

ग्वालियर/शिवपुरी/सागर, 12 सितंबर. प्रदेश में सागर इन दिनों जहरीली शराब से हुई 32 मौतों के चलते सुर्खियों में है, तो वहीं ग्वालियर-चंबल संभाग महिलाओं द्वारा अवैध शराब का मुखर विरोध चर्चा में है. यह दोनों घटनाएं यह साबित करती हैं कि शराब माफिया के हौसले बुलंद हैं.

नवभारत ने जब जमीनी हकीकत जानने का प्रयास किया तो सामने आया कि शिवपुरी, श्योपुर और मुरैना जिलों में तमाम ऐसे ग्राम हैं जहां कोई स्वीकृत शराब ठेका नहीं है, इसके बावजूद शराब बेचने के ठिकाने चल रहे हैं. इन इलाकों में कच्ची शराब के साथ ठेके की शराब भी बेची जा रही है. यहां उपलब्ध कराई जा रही शराब की गुणवत्ता और उसके स्रोत भी संदेह के घेरे में हैं. लिहाजा शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना में भी सागर जैसा हादसा दोहराने की आंशका गहरा गई है.

उधारी में पनप रहा अवैध धंधा, परिवार हो रहे तबाह: शिवपुरी जिले के ग्राम कोटा में रहने वालीं रश्मी आदिवासी का तो यहां तक आरोप है कि कच्ची शराब के साथ गांजा भी बेचा जा रहा है. कुछ लोग नशे का सामान उधार में देते हैं और मजदूरी मिलने के बाद पैसे वसूल करते हैं. इससे गरीब घरों का पूरा बजट ही बिगड़ रहा है. शराब और नशे की आसानी से उपलब्धता का गरीब और आदिवासी परिवारों पर यह आर्थिक असर इन गांवों में साफ देखा जा सकता है. मजदूरी से होने वाली कमाई नशे में खर्च होने से परिवारों में आर्थिक परेशानी और पारिवारिक विवाद बढ़ रहे हैं.

महिलाओं ने खुद संभाला मोर्चा: शिवपुरी जिले में अवैध शराब और दुकानों के विरोध में महिलाओं का गुस्सा फूटने के बाद अमोला थाना क्षेत्र के थरखेड़ा, अमोलपठा (नया अमोला) और मनपुरा (भौंती) जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में शराब के ठेकों पर हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई हैं. थरखेड़ा और अमोलपठा में महिलाओं ने लाठियां लेकर शराब की दुकानों पर धावा बोला, तोड़फोड़ की और शराब की पेटियों व बोतलों को सड़क पर फेंककर बहा दिया. जब पुलिस और आबकारी विभाग की टीम स्थिति को नियंत्रित करने मौके पर पहुंची, तो प्रदर्शनकारियों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे खलबली मच गई. मनपुरा में भी शराब दुकान पर हमला और प्रदर्शन किया गया.

नवभारत एक्सक्लूसिव

सागर जहरीली शराब कांड : जस्टिस विष्णु प्रताप की अध्यक्षता में जांच आयोग गठित

सागर जहरीली शराब कांड की जांच के लिए राज्य सरकार ने एक सदस्यीय जांच आयोग गठित कर दिया है. हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश विष्णु प्रताप सिंह चौहान की अध्यक्षता में गठित आयोग पूरे घटनाक्रम की जांच करेगा. आयोग को तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले की न्यायिक जांच के निर्देश दिए थे. सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार आयोग को मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर जांच करनी है. पहला, जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों और लोगों के बीमार होने की वास्तविक वजह क्या रही. दूसरा, संबंधित क्षेत्र में आबकारी, पुलिस और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपने निर्धारित दायित्वों का कितना पालन किया. तीसरा, भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियंत्रण और निगरानी की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं. सागर में 5 सितंबर को जहरीली शराब पीने के बाद बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गई थी. मामले में पुलिस ने अब तक 30 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. इनमें से 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य की तलाश जारी है.

हरियाणा और राजस्थान तक हो रही सप्लाई

भिंड जिले में अवैध शराब का बड़ा नेटवर्क है. यहा बड़े पैमाने पर नकली देसी और विदेशी शराब बनाई जा रही थी. नेटवर्क की बात करें तो पूर्व में पकड़ी गई अवैध फैक्टरी से बनी नकली शराब को न केवल स्थानीय स्तर पर खपाया जा रहा था, बल्कि हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भी सप्लाई किया जा रहा था.

विभाग का दावा... संभाग में अवैध कारोबार नहीं

ग्वालियर के संभागीय आबकारी आयुक्त संदीप शर्मा दावा किया कि अवैध शराब के निर्माण, विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है. शराब दुकानों का संचालन शासन द्वारा निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के अंतर्गत किया जा रहा है तथा ठेकेदारों द्वारा नियमानुसार लाइसेंस शुल्क जमा किया जाता है.

2001 में हुई थीं 24 मौत

जहरीली शराब पीने से मौतों का कहर मुरैना जिले पर भी टूट चुका है. एक ही रात में कई घरों के चिरागों को फूंकने का यह दिल दहलाने वाला यह वाकया 10-11 जनवरी 2021 की दरमियानी रात मुरैना जिले के सुआवारा, छैरा और मानपुर (विसंगपुरा) गांव में हुआ था. इन गांवों में जहरीली शराब पीने से कुल 24 ग्रामीणों की मौत हुई थी.

सड़क नहीं तो बैलगाड़ी से पहुंचाया शव

शहडोल में पक्की सड़क की मांग के बावजूद नहीं बदले हालात

शहडोल, 12 सितंबर . चांद और मंगल तक पहुंचने के दावे करने वाले आधुनिक भारत में शहडोल जिले के आदिवासी अंचल से विकास के दावों को आईना दिखाने वाली तस्वीर सामने आई है. यहां सड़क के अभाव में एक बुजुर्ग महिला का शव घर तक पहुंचाने के लिए परिजनों और ग्रामीणों को बैलगाड़ी का सहारा लेना पड़ा.

आखेटपुर वार्ड नंबर-1 के डाला टोला निवासी 70 वर्षीय श्याम कली पटेल लंबे समय से बीमार थीं. उनका स्थानीय स्तर पर उपचार चलने के साथ नागपुर में भी इलाज कराया जा रहा था. इलाज के दौरान नागपुर में उनकी मौत हो गई. शनिवार सुबह उनका शव एंबुलेंस से गांव पहुंचा, लेकिन घर तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस करीब एक किलोमीटर पहले ही रुक गई. इसके बाद ग्रामीणों ने शव को बैलगाड़ी में रखा और कच्चे रास्ते से घर तक पहुंचाया.

विकास की दर्दनाक तस्वीर

राजनीतिक दावों के बीच जमीनी हकीकत पर सवाल

शहडोल जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर भाजपा के विधायक हैं और लोकसभा सीट भी भाजपा के पास है. इसके बावजूद दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क जैसी मूलभूत सुविधा का अभाव राजनीतिक और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है. ग्रामीणों का कहना है कि डाला टोला में पक्की सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है. इसके लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कई बार आवेदन दिए गए और समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक सड़क निर्माण नहीं हो सका.

ट्रक ने 200 भेड़ों को रौंदा, 34 की मौत

रतलाम. जावरा में महू-नीमच फोरलेन पर शनिवार शाम तेज रफ्तार ट्रक ने भेड़ों के झुंड को रौंद दिया. हादसे में 34 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि 15 घायल हैं. भेड़ों के साथ जा रहा एक व्यक्ति भी हादसे में घायल हुआ, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया. हादसा शाम करीब 4 बजे भारत पैलेस होटल से आगे फूड गार्डन के सामने हुआ. राजस्थान पासिंग आयशर ट्रक जावरा की ओर से आ रहा था. इसी दौरान सड़क पर करीब 200 भेड़ों का झुंड मौजूद था, जिसे ट्रक ने चपेट में ले लिया. हादसे के बाद चालक ट्रक मौके पर छोड़कर भाग गया.

आदिवासी बच्चों की मौतों पर बालाघाट पहुंचे दीपके

- बालाघाट में हम बड़ा आंदोलन करेंगे
- यहां टीकाकरण और पीने का साफ पानी तक नहीं

बालाघाट, 12 सितंबर . कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके शनिवार को बालाघाट पहुंचे. वे उन गांवों का दौरा करेंगे, जहां पिछले कुछ महीनों में 30 से अधिक आदिवासी बच्चों की मौतें हुई हैं.

दीपके ने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है और बच्चों को बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं. उन्होंने कहा कि बच्चों के लगातार बीमार होने के पीछे स्वास्थ्य व्यवस्था की अनदेखी बड़ी वजह है. कई क्षेत्रों में टीकाकरण की स्थिति ठीक नहीं है और लोगों को साफ पेयजल भी उपलब्ध नहीं हो रहा.

एक नजर में

सोने की चेन के लिए मां की हत्या, बेटी पर हमला

देवास. सतवास के पुनासा रोड स्थित पुनर्वास क्षेत्र में 60 वर्षीय महिला की हत्या और उसकी बेटी पर जानलेवा हमले का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया. जांच में सामने आया कि दो विधि से संघर्षरत बालकों ने वारदात से पहले इलाके की दो-तीन बार रेकी की थी. पुलिस ने दोनों को अभिरक्षा में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है. 10 सितंबर को डायल-112 से वार्ड क्रमांक 9 में माया पति स्व. अशोक शर्मा और उनकी बेटी रानू पति राकेश शर्मा के घर में खून से लथपथ होने की सूचना मिली थी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल रानू को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए इंदौर भेजा गया. घायल बेटी से मिली जानकारी जांच में अहम कड़ी बनी.

भगवान महाकाल की भस्म आरती अब 3डी में

उज्जैन. श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन को श्रद्धालुओं के लिए सजीव एवं विशेष अनुभव बनाने की दिशा में सुविधा प्रारंभ की जा रही है. अब भस्म आरती में प्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित नहीं हो पाने वाले श्रद्धालु 3डी तकनीक के माध्यम से भस्म आरती के लाइव दर्शन कर सकेंगे.

अवैध शराब कारोबार को नेताओं का संरक्षण

- जहरीली शराब कांड पर दिग्विजय सिंह का आरोप
- निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा देने की मांग

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 12 सितंबर. सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रदेश सरकार और पुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं.

बंडा जाते समय छतरपुर पहुंचे दिग्विजय ने कहा कि प्रदेश में अवैध शराब का कारोबार स्थानीय नेताओं, पुलिस और प्रशासन के संरक्षण में चल रहा है. उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. दिग्विजय ने सागर के पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि मौजूदा एसपी अनुराग सुजानिया जब मुरैना में पदस्थ थे, उस दौरान भी जहरीली और अवैध शराब से मौतों के मामले सामने आए थे और अब सागर में भी इसी तरह की घटना हुई है.

हुड़दंगबाजी : चलती कारों की खिड़की से लटककर स्टंट

- रील्स का जानलेवा शौक : युवकों पर कार्रवाई की तैयारी
- पुलिस ने कार नंबर के आधार पर युवकों की पहचान शुरू की

जबलपुर, 12 सितंबर . सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने के चक्कर में युवा अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल रहे हैं.

विजय नगर थाना क्षेत्र के जीरो डिग्री के पास दो चलती कारों में युवकों ने खतरनाक स्टंट किए. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है और युवकों की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है. वायरल वीडियो में कार क्रमांक एमपी 20 सीई 6620 और उसके आगे चल रही सफेद रंग की कार दिखाई दे रही है. दोनों कारों की खिड़कियों से युवक बाहर निकलकर लटके हुए नजर आ रहे हैं. सड़क पर अन्य वाहनों की आवाजाही के बीच इस तरह स्टंट करना बेहद खतरनाक था. इससे कार सवार युवकों के साथ राहगीरों की जान को भी खतरा हो सकता था.

पहचान में जुटी पुलिस

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि स्टंट का वीडियो उनके संज्ञान में आया है. उन्होंने थाना प्रभारी को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं. पुलिस वीडियो में दिखाई दे रही कार के पंजीयन नंबर और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर युवकों की पहचान कर रही है. पहचान होने के बाद मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन सहित अन्य संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

ओवैसी 15 को करेंगे भोपाल में यूसीसी के विरोध में आमसभा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 12 सितंबर. समान नागरिक संहिता यूसीसी के विरोध में एआईएमआईएम मप्र द्वारा निकाली जा रही 15 दिवसीय पैदल यात्रा के समापन अवसर पर 15 सितंबर को राजधानी भोपाल में आमसभा का आयोजन किया जाएगा.

आमसभा को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी संबोधित करेंगे. शनिवार को एआईएमआईएम प्रदेश कार्यालय, भोपाल में पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट मोहसिन अली खान ने दी. उन्होंने बताया कि यूसीसी के विरोध में 31 अगस्त को बुरहानपुर से शुरू हुई 15 दिवसीय पैदल यात्रा मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से होते हुए 14 सितंबर को भोपाल पहुंचेगी.

यूसीसी विरोधी पैदल यात्रा के समापन पर सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में करेंगे संबोधित

जलती कार से चालक को निकालकर बचाया

- ट्रैफिक टीआई ने कांच तोड़कर बचाया
- आग में करीब 40 प्रतिशत झुलसा चालक

नव भारत न्यूज

इंदौर, 12 सितंबर . चोइथराम मंडी क्षेत्र में चलती कार अचानक आग की लपटों में घिर गई. देखते ही देखते कार धधकने लगी और चालक अंदर ही फंस गया. आग की चपेट में आने से वह करीब 40 प्रतिशत झुलस गया. कार में रखे नकदी के कुछ नोट भी जल गए.

घटना की सूचना मिलते ही यातायात थाना जोन 4 प्रभारी सुमित बिलोनिया टीम के साथ मौके पर पहुंचे. आरक्षक विजय, प्रधान आरक्षक कमल और एएसआई जेपी तिवारी ने कार का कांच तोड़कर चालक को बाहर निकाला. उसकी हालत गंभीर थी. पुलिसकर्मियों ने मौके पर सीपीआर दिया और लोडिंग रिक्शा की मदद से उसे तत्काल चोइथराम अस्पताल पहुंचाया, घायल का उपचार जारी है. घटना की जानकारी मिलने पर यातायात डीसीपी ने टीम की कार्रवाई की सराहना की.

ट्रॉली और पिट्ठू बैग में ले जा रही थीं डोडाचूरा, दो महिलाएं गिरफ्तार

- उज्जैन रेलवे स्टेशन पर जीआरपी की कार्रवाई
- जब्त मादक पदार्थ की कीमत 2 लाख रुपए

नव भारत न्यूज

इंदौर, 12 सितंबर. रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग के दौरान जीआरपी ने दो महिला तस्करों को करीब 75 किलो डोडाचूरा के साथ पकड़ा.

दोनों महिलाएं मादक पदार्थ को ट्रॉली और पिट्ठू बैग में छिपाकर ले जा रही थीं. जीआरपी ने उनके कब्जे से 74 किलो 995 ग्राम डोडाचूरा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए है, बरामद किया है.

गिरफ्तार महिलाओं की पहचान परमिंदर कौर उम्र 36 साल और जसविंदर कौर उम्र 47 साल, दोनों निवासी ग्राम तलवंडी कला, जिला लुधियाना, पंजाब के रूप में हुई है. परमिंदर के पास से 41 किलो 555 ग्राम और जसविंदर के कब्जे से 33 किलो 440 ग्राम डोडाचूरा मिला. नियमित चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो महिलाएं मादक पदार्थ लेकर स्टेशन पर मौजूद हैं.

मनी लॉन्ड्रिंग मामला सुनील और उत्कर्ष त्रिवेदी से जुड़े ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई, ब्रिटेन में 2.08 करोड़ की संपत्ति भी हो चुकी है कुर्क

307 करोड़ के बैंक फ्रॉड में इंदौर के तीन प्लॉट अटैच

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 12 सितंबर. 307.44 करोड़ रुपए के बैंक लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की इंदौर इकाई ने बड़ी कार्रवाई की है.

ईडी ने इंदौर के हुकमखेड़ी गांव में स्थित तीन वाणिज्यिक भूखंडों को अटैच किया है. इन संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 3.91 करोड़ रुपए बताया गया है. जांच में सामने आया कि ये जमीनें विश्वकर्मा क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर थीं और कंपनी को बैंक धोखाधड़ी से हासिल रकम का हिस्सा मिला था. ईडी की जांच दो अलग-अलग सीबीआई मामलों पर आधारित है. पहली प्राथमिकी सीबीआई की भोपाल इकाई ने उत्कर्ष त्रिवेदी और अन्य के खिलाफ दर्ज की थी. इसमें पंजाब नेशनल बैंक से 57.47 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है. दूसरी प्राथमिकी सीबीआई की मुंबई इकाई ने नियो कॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड और उसके निदेशकों सुनील कुमार त्रिवेदी, उत्कर्ष त्रिवेदी व अन्य के खिलाफ दर्ज की थी. इसमें भारतीय स्टेट बैंक को 249.97 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप है. दोनों मामलों की रकम मिलाकर 307.44 करोड़ रुपए होती है.

कंपनियों के जरिए रकम घुमाने का आरोप: ईडी के मुताबिक सुनील और उत्कर्ष त्रिवेदी ने कथित तौर पर बैंक से मिले लोन की रकम को अपनी शेल कंपनियों के जरिए अलग-अलग खातों में भेजा. इन कंपनियों के खातों के माध्यम से रकम को कई स्तरों पर घुमाने के बाद निजी खातों में ट्रांसफर किया गया या संपत्तियां खरीदी गईं। जांच में विश्वकर्मा क्रिएशंस को भी इसी तरह रकम मिलने की बात सामने आई है.

ब्रिटेन में भी संपत्ति पर कार्रवाई

जांच के दौरान ईडी ने ब्रिटेन के लंदन में स्थित करीब 2 लाख 45 हजार पाउंड यानी लगभग 2.08 करोड़ रुपए मूल्य के एक विला को भी अटैच किया था. एजेंसी के अनुसार इंदौर की संपत्तियां भी कथित तौर पर बैंक धोखाधड़ी से हासिल रकम से खरीदी गई थीं.

ब्यूटीशियन मौत मामले में दोस्त हिरासत में

- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद एफआईआर पर होगा फैसला
- पत्नी-बच्चों से पूछताछ के बाद थाने पहुंचा

इंदौर, 12 सितंबर . तिलक नगर के होटल में ब्यूटीशियन सोनिला शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने उसके कारोबारी दोस्त दीपक खंडेलवाल को हिरासत में लिया है.

पुलिस के अनुसार उसे शुक्रवार देर रात बायपास क्षेत्र से पकड़ा गया. वहीं सूत्रों के मुताबिक, पुलिस द्वारा पत्नी और बच्चों को पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद दीपक थाने पहुंचा था. पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है. फिलहाल मौत के कारण को लेकर कोई निष्कर्ष सामने नहीं आया है. पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है. रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा.

होटल में दोस्त की तबीयत खराब बताई थी: 9 सितंबर को 32 वर्षीय सोनिला की तिलक नगर स्थित होटल के कमरे में मौत हुई थी. वह पाइप कारोबारी दीपक खंडेलवाल के साथ होटल पहुंची थी. कुछ घंटे बाद दीपक ने होटल स्टाफ को बताया कि उसकी दोस्त की तबीयत खराब है. इसके बाद वह सोनिला को अक्षत अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद दीपक वहां से चला गया था.